

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा विपक्ष, राहुल-प्रियंका सहित इंडिया गठबंधन का मार्च बैरिकेड पर रुका, एसआईआर के खिलाफ याचिका



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच जारी टकराव सोमवार को सड़क से देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव समेत विपक्षी नेताओं ने दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च किया। पुलिस ने अदालत से करीब 500 मीटर पहले बैरिकेडिंग कर मार्च रोक दिया। इसी बीच राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से चुनाव आयोग तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। इस घटनाक्रम ने मतदाता सूची की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग की जवाबदेही और विपक्ष के आंदोलन को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला दिया है। विवाद की पृष्ठभूमि में SIR के दौरान मतदाता सूची

से नाम हटाए जाने और कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्ष की आपत्तियां हैं। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया से मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं और चुनावी व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और SIR पर रोक की मांग भी उठाई है। ये विपक्ष के आरोप हैं; इन पर न्यायिक निष्कर्ष आना बाकी है। चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण को पात्रता और सूची की शुद्धता से जुड़ी प्रक्रिया बताया गया है।

CJI से मुलाकात नहीं, याचिका के रास्ते अदालत पहुंचे नेता

रविवार को राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से मुलाकात का समय मांगा था। विपक्ष चाहता था कि वह चुनावी प्रक्रिया, SIR और मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर अपनी शिकायतें ज्ञापन के जरिए

रखे। CJI ने मुलाकात से इनकार करते हुए कहा कि संबंधित मुद्दे अदालत में पहले से विचाराधीन हैं और इन्हें प्रशासनिक मुलाकात के बजाय न्यायिक प्रक्रिया के तहत उठाया जाना चाहिए। उन्होंने याचिका दाखिल करने का रास्ता सुझाया। इसके बाद सोमवार को विपक्ष ने मार्च का कार्यक्रम बनाया और कानूनी मोर्चे पर भी कदम बढ़ाया। 10 दलों के नेता एक मंच पर, सड़क पर भी शक्ति प्रदर्शन कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में जुटने के बाद विपक्षी नेताओं ने बाराखंबा रोड से सुप्रीम कोर्ट की ओर कूच किया। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य विपक्षी दलों के नेता मार्च में शामिल हुए। पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर आगे बढ़ने से रोका। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने बैरिकेड पार करने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को हटाया। दो प्रदर्शनकारियों के बेहोश होने की भी खबर आई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मध्य दिल्ली के छह मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार कुछ समय के लिए बंद किए गए, जिन्हें बाद में खोल दिया गया। राहुल गांधी ने मार्च से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में आंदोलन को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा से जोड़ते हुए कहा कि यह लड़ाई जारी रहेगी। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन स्थल बदलने या आंदोलन रोकने से कथित गड़बड़ियां छिप नहीं सकतीं। तेजस्वी यादव ने भी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए विपक्ष की एकजुटता पर जोर दिया। दूसरी ओर, इस पूरे मामले का कानूनी फैसला अब अदालत की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

अब निगाहें अदालत पर

विपक्ष की याचिका में मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े आरोपों पर हस्तक्षेप की मांग की गई है। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होने की संभावना है। हालांकि, सुनवाई की संभावना और अदालत का वास्तविक आदेश अलग-अलग बातें हैं; अगला निर्णायक घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट की सूची और कार्यवाही से स्पष्ट होगा।

जोधपुर में गरजे कटारिया- गलत काम अपनी पार्टी का भी हो तो साथ मत दो, राजनीति में सांप-सीढ़ी चलती रहती है, किसकी ओर है इशारा!!!

11 चुनाव लड़े, 9 जीते, बोले—घर से एक रुपया खर्च नहीं किया; महापौर-पार्षद पार्टी नहीं, पूरी जनता के प्रतिनिधि



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने जनप्रतिनिधियों को राजनीति में नैतिकता और ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि सही काम हो तो पक्ष-विपक्ष की परवाह किए बिना करना चाहिए और गलत काम अपनी पार्टी

का भी हो तो उसका साथ नहीं देना चाहिए, परिणाम चाहे जो हो। कटारिया का यह बयान कहीं पर कहीं निशाने जैसा है, इसका असर उदयपुर में भी देखने को मिल सकता है। कटारिया इन दिनों खुद उदयपुर में अपने प्रभाव क्षेत्र को लेकर जूझ रहे हैं। ऐसे में इस बयान के उदयपुर में कई मायने निकाले जा सकते हैं। कोन सांप है व किसे सीढ़ी बनाया जा रहा है यह भी देखने वाली बात होगी। जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आचार्य चिदानंद महाराज के 68वें जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में कटारिया ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद जनप्रतिनिधि किसी पार्टी के नहीं, बल्कि पूरी जनता के प्रतिनिधि होते हैं। पार्षद पूरे वार्ड और महापौर पूरे शहर के लिए जवाबदेह हैं, भले ही किसी ने उसे वोट दिया हो या नहीं। कटारिया ने राजनीति को सांप-सीढ़ी का खेल बताते हुए कहा कि इसमें कभी ऊपर तो कभी नीचे जाना

पड़ता है, लेकिन राजनीतिक नुकसान के डर से गलत रास्ता नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने काम और आचरण से ऐसी पहचान बनानी चाहिए कि लोग ईमानदारी का उदाहरण दें। कटारिया ने अपने राजनीतिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि वे 11 चुनाव लड़ चुके हैं और 9 में जीत हासिल की, लेकिन किसी चुनाव में घर से एक रुपया खर्च नहीं किया। जनता से मिला सहयोग जनता के काम में लगाया और इसी से संतोष मिलता है। जोधपुर के महापौर प्रसन्नचंद मेहता का उल्लेख करते हुए कटारिया ने कहा कि वे 35 साल से उनके साथ कदम से कदम मिलाकर काम कर रहे हैं। कई बार प्रयास के बावजूद सफलता नहीं मिली, लेकिन इस बार गाड़ी पार हो गई। उन्होंने कहा कि राजनीति में पद मांगने के बजाय ईमानदारी और सेवाभाव से काम करने का आशीर्वाद मांगना चाहिए। कटारिया ने जनप्रतिनिधियों से समाज की प्रतिष्ठा बढ़ाने, सेवा धर्म अपनाने और गलती होने पर क्षमा मांगने में संकोच नहीं करने की अपील भी की। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित निकायों के महापौर और अध्यक्ष मौजूद रहे।

महंगाई की दोहरी मार: सितंबर में खुदरा दर 5.54% पर पहुंची, खाने-पीने की चीजों ने बिगाड़ा बजट



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सब्जियों से लेकर रोजमर्रा के राशन तक बढ़ती कीमतों का असर अब घरेलू बजट पर साफ दिखने लगा है। सितंबर में खुदरा महंगाई दर अगस्त के 4.82% से बढ़कर 5.54% बताई गई है। खाद्य महंगाई में तेजी के साथ ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने का दावा किया गया है। हालांकि, इस आंकड़े के आधार पर खबर प्रकाशित करने से पहले आधिकारिक सरकारी आंकड़ों की पुष्टि जरूरी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में खुदरा महंगाई 4.82% थी, जबकि सितंबर में यह बढ़कर 5.54% हो गई। खाद्य महंगाई भी 5.97% से उछलकर 7.74% पर पहुंच गई।

खाद्य महंगाई 7.74% पर, गांवों में ज्यादा दबाव

सितंबर में ग्रामीण महंगाई 6.08% रही, जबकि शहरी महंगाई 4.88% दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य वस्तुओं पर खर्च का असर अधिक होने से कीमतों में तेजी का दबाव ज्यादा महसूस हो सकता है। हालांकि, महंगाई दर पूरे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की सालाना तुलना है, किसी एक परिवार के खर्च में हुई वास्तविक वृद्धि नहीं।

महंगाई बढ़ने का आम परिवार पर क्या असर?

जब सब्जियों, अनाज और दूसरी जरूरी वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो परिवार को समान मात्रा का सामान खरीदने के लिए ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है। इसका असर खासकर उन परिवारों पर ज्यादा पड़ता है, जिनकी आय सीमित है और जिनके बजट में भोजन का हिस्सा बड़ा है। महंगाई की गणना उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के जरिए होती है। इसमें खाद्य पदार्थों के अलावा आवास, कपड़े, ईंधन और अन्य जरूरी वस्तुओं व सेवाओं की कीमतों को भी शामिल किया जाता है।

RBI ने रेपो रेट बढ़ाकर 5.50% किया

महंगाई के दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने 7 अक्टूबर को रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी कर इसे 5.50% कर दिया। फरवरी 2023 के बाद यह पहली बढ़ोतरी है। ब्याज दर बढ़ने से कर्ज महंगा हो सकता है और होम, कार या दूसरे फ्लोटिंग रेट लोन की EMI पर असर पड़ सकता है।

सोना 1,369 रुपए और चांदी 814 रुपए फिसली, खरीदारी से पहले भाव जांचें



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। सोने-चांदी की कीमतों में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई। इंडिया वुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 24 कैरेट सोने का भाव 1,369 रुपए घटकर 1.48 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, चांदी की कीमत 814 रुपए प्रति किलो गिरकर 2.20 लाख रुपए पर आ गई। कीमती धातुओं में इस उतार-चढ़ाव के बीच खरीदारों और निवेशकों की नजर अब आगे के रुख पर है। सितंबर में सोना 8 हजार और चांदी 15 हजार रुपए तक फिसली सितंबर में भी दोनों कीमती धातुओं के भाव में गिरावट रही। 31 अगस्त को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 30 सितंबर तक घटकर 1.48 लाख रुपए रह गया। इसी अवधि में चांदी का भाव 2.37 लाख रुपए प्रति किलो से गिरकर 2.22 लाख रुपए पर आ गया। इससे महीनेभर में सोने में करीब 8 हजार और चांदी में लगभग 15 हजार रुपए की कमी आई।

आगे भी जारी रह सकता है उतार-चढ़ाव

सोने-चांदी की कीमतों पर अमेरिकी ब्याज दरों, डॉलर की चाल, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और भू-राजनीतिक तनाव का असर पड़ता है। अनिश्चितता बढ़ने पर सोने की सुरक्षित निवेश के रूप में मांग बढ़ सकती है, जबकि ब्याज दरों और डॉलर में मजबूती से इसकी कीमतों पर दबाव आ सकता है। ऐसे में निकट भविष्य में भाव की दिशा तय मानने के बजाय बाजार के संकेतों पर नजर रखना जरूरी है।

हवाई कनेक्टिविटी में बड़ा विस्तार, नोएडा-नवी मुंबई के लिए इंडिगो और मुंबई-बेंगलुरु के लिए अकासा को उड़ानें

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। त्योहारी सीजन में उदयपुर से हवाई सफर करने वालों को चार शहरों के लिए सीधी उड़ानों की सुविधा मिलने जा रही है। इंडिगो 25 अक्टूबर से नोएडा और 15 नवंबर से नवी मुंबई के लिए दैनिक उड़ानें शुरू करेगी। वहीं अकासा एयर 15 अक्टूबर से मुंबई और बेंगलुरु के लिए सीधी दैनिक उड़ानें संचालित करेगी। इससे यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट पर निर्भरता कम करने का विकल्प मिलेगा और पर्यटन व कारोबार को भी सहारा मिलने की उम्मीद है।

उड़ानों का समय

- नोएडा—उदयपुर (इंडिगो): 25 अक्टूबर से।



नोएडा से दोपहर 1:30 बजे प्रस्थान, उदयपुर दोपहर 3:10 बजे आगमन। वापसी उदयपुर से शाम 6:20 बजे, नोएडा रात 8 बजे।

- नवी मुंबई—उदयपुर (इंडिगो): 15 नवंबर से।

नवी

मुंबई से सुबह 10:05 बजे प्रस्थान, उदयपुर सुबह 11:15 बजे आगमन। वापसी सुबह 11:50 बजे, नवी मुंबई दोपहर 1:05 बजे।

- मुंबई—उदयपुर (अकासा एयर): 15 अक्टूबर से। मुंबई से सुबह 11:25 बजे प्रस्थान, उदयपुर दोपहर 1 बजे आगमन। वापसी दोपहर 1:40 बजे, मुंबई दोपहर 3:10 बजे।

- बेंगलुरु—उदयपुर (अकासा एयर): 15 अक्टूबर से। बेंगलुरु से सुबह 8:40 बजे प्रस्थान, उदयपुर सुबह 10:55 बजे आगमन। वापसी सुबह 11:35 बजे, बेंगलुरु दोपहर 1:50 बजे।

यात्री टिकटों की उपलब्धता और उड़ानों के समय की पुष्टि संबंधित एयरलाइंस की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप पर कर सकते हैं।

संपादकीय : सख्ती की सीमा

लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव के जरिए सरकार का चयन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों को अपनी बात कहने, सत्ता की नीतियों पर सवाल उठाने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार भी देता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इस बात से तय होती है कि वह अपने आलोचकों के प्रति कितना सहिष्णु व्यवहार करती है तथा असहमति और सुधार की मांग से जुड़ी जनभावना को कितना सम्मान दिया जाता है। जाहिर है, इस प्रक्रिया में समस्याओं को समझने और संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की जरूरत होती है। मगर, शनिवार को काकाचोच जनता पार्टी (काजपा) के विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए देश की राजधानी को जिस तरह सुरक्षाबलों की छावनी में तब्दील किया गया तथा रेल, मेट्रो और इंटरनेट सेवाओं पर सीमित प्रतिबंध लगाए गए, उससे सरकार की नीति और नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कानून व्यवस्था के लिए एहतियाती कदम उठाना जरूरी हो सकता है, लेकिन अत्यधिक सख्ती बरतने को असहमति के स्वर को दबाने के प्रयास के रूप में ही देखा जाएगा। देश का संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताने और अपनी मांगों रखने का अधिकार है। सरकार की नीतियों पर असहमति जताने के लिए पहले भी जनांदोलन होते रहे हैं। इस बार सवालियों के घेरे में हैं मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार। इन्हीं के विरोध में काजपा ने दिल्ली में प्रदर्शन का आह्वान किया था। मगर कानून व्यवस्था बिगड़ने का हवाला देते हुए जितने बड़े पैमाने पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई, प्रदर्शनकारियों को

शांति का सम्मान

जिस दौर में दुनिया का एक बड़ा हिस्सा युद्ध की त्रासदी से जूझ रहा है, मानवता के सामने व्यापक संकट खड़ा हो रहा है, तो ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा जरूरत शांति की ही महसूस हो रही है। मगर युद्ध में शामिल पक्षों को न तो मानवता का प्रश्न महत्वपूर्ण लगता है, न ही वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खयाल रखना जरूरी समझते हैं।

छीजती संवेदनाओं और उपेक्षित कायदों के इसी दौर में नवनेथम नवी पिल्लई को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाना बेहद अहम है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय जगत का यह सर्वश्रेष्ठ माना जाने वाला सम्मान इसीलिए दिया गया है कि उन्होंने दुनिया भर में शांति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बढ़ावा देने के प्रयासों में अहम भूमिका निभाई है। दरअसल, नवी पिल्लई का जीवन और उनके प्रयास वैश्विक शांति तथा सद्भाव के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए बनाए गए कानूनों की अहमियत को दर्शाते हैं। उनके सरोकार की जड़ें उनकी जीवन-स्थितियों से भी जुड़ी हैं। उनका भारत से भी इस रूप में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नाता है कि उनके दादा 1890 के दशक में ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में भारत से

दिल्ली के जंतर मंतर पर पहुंचने से रोकने के लिए जो जतन किए गए और हजारों की संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया, वह सरकार के रवैये पर गंभीर सवाल उठता है। काजपा के प्रमुख नेताओं अभिजीत दिपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को हवाई अड्डे पर विमान के अंदर से ही महिला पुलिस कर्मियों द्वारा हिरासत में लेने की खबरें भी जनमानस को असहज कर रही हैं। प्रश्न यह भी है कि आखिर सरकार को इतनी ज्यादा सख्ती बरतने की जरूरत क्यों महसूस हुई ? क्या यह सब वास्तव में कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका से किया गया या फिर इसके पीछे कोई और वजह थी ! बड़ी संख्या में रेलगाड़ियों को रद्द किए जाने, मेट्रो के कई स्टेशनों को बंद करने और जगह-जगह वाहनों की जांच से लगे जाम के कारण आम लोगों को जो परेशानी हुई, उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इस सवाल का जवाब देने के बजाय सत्तारूढ़ माजपा यह दावा करके गदगद हो रही है कि दिल्ली को बंधक बनाने के इरादे से किया गया विरोध प्रदर्शन पूरी तरह विफल रहा। बहरहाल, इस दावे की सच्चाई का पता तो तभी चलता, जब प्रदर्शन की अनुमति दी गई होती, लेकिन सरकार की ओर से काजपा समर्थकों को रोकने के लिए जिस तरह के कदम उठाए गए, उससे दिल्ली जरूर बंधक बनती दिखी।

सुरक्षाबलों की सख्ती से विरोध के स्वर को कुछ समय के लिए शांत किया जा सकता है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान संवाद से ही संभव है, जिसकी पहल की संभावना फिलहाल सरकार की ओर से नजर नहीं आ रही है। इससे पहले इसी मुद्दे पर विपक्ष दल कांग्रेस के नेताओं ने भी चुनाव आयोग से मिलकर अपनी बात रखने की कोशिश की थी और उसके बाद राष्ट्रपति के समक्ष भी मांग रखी, लेकिन अभी तक सवाल का कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं आया है।

शांति का सम्मान

बंधुआ मजदूर के रूप में दक्षिण अफ्रीका चले गए थे। उनका जन्म रंगभेद के दौर में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में भारतीय तमिल मूल के एक परिवार में हुआ था। बाद में वे एक वकील बनीं और कानून के क्षेत्र में उन्हें नई राह खोलने वाली शख्सियत माना गया। मगर इस बीच उन्होंने गहरे संस्थागत भेदभाव, अलगाववाद और बहिष्कार का भी सामना किया। जाहिर है, इस सबका असर उनके समूचे व्यक्तित्व और सोचने-समझने के ढांचे पर पड़ा। इसी का प्रतिबिंब इस रूप में सामने आया कि पिल्लई ने दुनिया भर में शांति और सद्भाव के मूल्यों का विस्तार करना और समूची मानवता के हित में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बढ़ावा देना अपने जीवन का एक हिस्सा बना लिया। नोबेल शांति पुरस्कार उनके प्रयासों की स्वीकार्यता है और इस तरह दुनिया भर को यह संदेश देने की कोशिश भी कि कुछ देश भले ही विवादों के हल के लिए युद्ध को जरूरी मानते हैं और इसके लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों को भी ताक पर रखने से नहीं हिचकते, लेकिन आखिरकार वे थकेंगे और उन्हें शांति की शरण में आना होगा।

लाइन में लीकेज, पानी का 'तीसरा' नहीं 'चौथा' होगा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। यह मरम्मत का काम समय रहते भी किया जा सकता था। लीकेज होना सामान्य बात है, इसके लिए विभाग के पास मरम्मत का बेकअप तैयार होना चाहिए। हद तो तब है जबकि पहले से तीन दिन बाद पानी आ रहा है। ऐसे में पहले ये ही हाथ खड़े करना कि पानी हो सकता है ना आए, यह कोई बात नहीं हुई। यह जनता को ठोकरें नहीं जैसा है। विभाग यह नहीं बता रहा है कि एकदम श्योरली पानी आएगा या नहीं। यदि देर

से आएगा तो क्या चौबीसों घंटे इंतजार करना होगा। जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग, नगर उपखंड पंचम के सहायक अभियंता राजसिंह मनात ने बताया कि मरम्मत कार्य के कारण मंगलवार सुबह कोर्ट परिसर और अशोक नगर क्षेत्र में जलापूर्ति प्रभावित रहने की संभावना है। वहीं, दोपहर में छिपा कॉलोनी और कोर्ट परिसर क्षेत्र में जलापूर्ति बाधित रह सकती है। यह नहीं बताया गया है कि उसके बाद पानी कब आएगा??? क्या रात तो 12 बजे बाद आएगा?? यदि तीन दिन बाद भी नहीं आ रहा है तो टैंकर से सप्लाई आखिर क्यों नहीं। अब तो यह भी साफ हो गया है कि शहर में मेयर साहब और विधायक साहब पर अफसर भारी पड़ रहे हैं। दोनों जन प्रतिनिधि पांतरे पानी की बात कर रहे हैं ये डबल पांतरे पर आमादा हो गए हैं। यही हालात रहे तो उदयपुर में पानी का तीसरा व चौथा नहीं, बारहवां होना भी तय है।

बेटियों ने टेबल टेनिस में जीता प्रदेश का स्वर्ण, जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपी ट्रॉफी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अक्टूबर। 70वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के अंडर-14 छात्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर उदयपुर का नाम रोशन

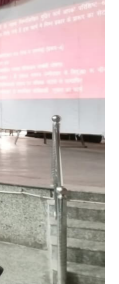
करने वाली टीम ने अपनी जीत की ट्रॉफी जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) दुर्गेश मेनारिया को भेंट की। इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विजेता टीम में रिद्धि डांगी, चार्वी मोदी, फरहीन अत्तारी, भुवन्या राणावत और आश्रिया नायर शामिल हैं। जिला शिक्षा अधिकारी मेनारिया ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि बेटियों की दायपूर जिले का गौरव बढ़ा है। प्रबंधक रविन्द्र सिंह शेखावत, देवेंद्र सिंह सांरगदेवोत और शारीरिक शिक्षक युगल शर्मा, पोपक भाणावत मौजूद रहे।

ईवीएम से लेकर बैलेट पेपर तक, आरओ को समझाई गई मतदान प्रक्रिया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए निर्वाचन तंत्र ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को नगर निगम स्थित सुखाड़िया रंगमंच सभागार में रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल के निर्देशन में हुए प्रशिक्षण में अधिकारियों को नामांकन से लेकर मतदान के बाद निर्वाचन सामग्री सुरक्षित जमा कराने तक की प्रक्रिया समझाई गई। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर महामाया प्रसाद चौबीसा ने निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी देते हुए नामांकन पत्रों की प्राप्ति और संवीक्षा, अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच, निर्धारित प्रपत्रों के संधारण तथा मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं से जुड़े विद्वानों पर विस्तार से



मार्गदर्शन दिया। उन्होंने निर्वाचन संबंधी शिकायतों और मतदान के दौरान उत्पन्न होने वाली विशेष परिस्थितियों में नियमानुसार कार्रवाई करने की प्रक्रिया भी समझाई। ईवीएम और बैलेट पेपर के इस्तेमाल पर विशेष जोर प्रशिक्षण में ईवीएम की कार्यप्रणाली, मतदान से पहले जांच, मॉक पोल, सीलिंग और मतदान के बाद मशीनों को सुरक्षित जमा कराने की प्रक्रिया बताई गई। बैलेट पेपर से मतदान के लिए मतपत्रों की प्राप्ति व जांच, उनका सुरक्षित संधारण, मतदाताओं को नियमानुसार मतपत्र जारी करने, मतदान की गोपनीयता बनाए रखने और मतदान के बाद मतपेटियों को सीलबंद कर जमा कराने की जानकारी भी दी गई।

पंचायतीराज चुनाव में पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के लिए मतदान ईवीएम से होगा, जबकि अन्य पदों के लिए बैलेट पेपर का इस्तेमाल किया जाएगा। नियमों का पालन और निष्पक्षता ज़रूरी मास्टर्ड ट्रेनर चौबीसा ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में प्रत्येक अधिकारी की भूमिका अहम है। सभी अधिकारियों को बिना किसी पक्षपात के अपने दायित्व निभाने और निर्वाचन नियमों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने की ज़रूरत है, ताकि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से पूरी हो सके।

सांवरिया सेठ के भजनों पर झूमे
श्रद्धालु, गोकुल शर्मा ने बांधा समां



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। रंगौरी गरबा महोत्सव के नौ दिवसीय आयोजन के पहले दिन आयोजित स्थित सत्यम शिवम सुंदरम गार्डन में सांवरिया सेठ की भजन संध्या आयोजित हुई। भजन गायक गोकुल शर्मा ने 'सब तेरो सांवरिया सेठ, मेरा तो कुछ भी नहीं' सहित लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं

को भावविभोर कर दिया। आयोजन का शुभारंभ नवनवचित महापौर पारस सिंघवी, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठी, पार्षद राजेंद्र परिहार और अशोक नागदा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। समिति की ओर से महापौर सिंघवी का उपरणा, पगड़ी और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। भजनों पर श्रद्धालु देर तक झुमते रहे और पूरा परिसर भक्तिमय माहौल सराबोर नजर आया।

टायर फटते ही बेकाबू थार ने 50 मीटर तक तोड़ी लोहे की रेलिंग, तीनों सवार सुरक्षित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजसमंद के राजनगर थाना क्षेत्र में उदयपुर-गोमती फोरलेन पर रविवार दोपहर बड़ाड़ के पास तेज रफ्तार थार का टायर फटने से हादसा हो गया। अनियंत्रित कार सर्विस लाइन के डिव्वाइडर पर चढ़ गई और लोहे की एंगल तोड़ते हुए करीब 50

17 हजार टन खनिज का अवैध खनन, जमीन मालिक और ठेकेदार के खिलाफ केस



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुंदा क्षेत्र के खाखड़ी गांव में खनन विभाग की जांच में करीब 15 हजार टन खनिज मिट्टी और 2 हजार

बिन्दिया टाक को पीएच.डी. की उपाधि



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 12 अक्टूबर।
राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय
ने सोशल साइंस संकाय
में बिन्दिया टाक को वर्तमान समय
में भारत-आसियान संबंधों का
अध्ययन (2003-2023) विषय
पर शोध कार्य करने पर पीएचडी
की उपाधि प्रदान की गई। डॉ.
बिन्दिया टाक ने अपना शोध
कार्य सहायक आचार्य डॉ.
प्रतिभा शर्मा के निदेशन में पूर्ण
किया।



NATIVE ADVERTISING FOR E-COMMERCE



24 न्यूज अपडेट

से मुझे मिले बढ़िया ग्राहक

24 न्यूज अपडेट पर ऐड बुक करें

घर बैठे ऐड बुकिंग
आसान ऑनलाइन पेमेंट

कॉल :
8852073787

कोर्ट में रिश्वत का वायरस : जमानत खारिज कराने और सजा से बचाने का डर दिखाकर रिश्वत ली, रीडर और होमगार्ड चालक गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

वांसवाड़ा, 12 अक्टूबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को वांसवाड़ा में कार्रवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय के रीडर संदीप कुमार नानावटी और होमगार्ड चालक राहुल चंदेल को कथित रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया। एसीबी के अनुसार, आरोपियों ने एक

विचाराधीन मुकदमे में मदद करने, जमानत खारिज नहीं होने देने और सजा से बचाने के नाम पर परिवारी से रिश्वत मांगी थी। ट्रेप कार्रवाई के दौरान राहुल चंदेल को 40 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया, जबकि मामले में कथित भूमिका के आधार पर रीडर को भी गिरफ्तार किया गया।

जमानत मिलने के बाद भी बनाया दबाव
एसीबी को दी गई शिकायत के अनुसार, परिवारी को लेन-देन से जुड़े मामले में पहले ही अदालत से जमानत मिल चुकी थी। इसके बावजूद कथित तौर पर उसे जमानत खारिज होने और विचाराधीन मुकदमे में सजा होने का डर दिखाया गया। आरोप है कि मामले में मदद करने और जमानत बरकरार रखने के बदले आरोपियों ने पहले एक लाख रुपए की मांग की। बाद में बातचीत के दौरान 70 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। शिकायत के मुताबिक, तय रकम में से 30 हजार रुपए आरोपियों ने 8 और 9 अक्टूबर को पहले ही ले लिए थे। इसके बाद शेष 40 हजार रुपए देने की बात हुई। परिवारी ने इसकी शिकायत एसीबी की वांसवाड़ा इकाई को दी, जिसके बाद मामले का सत्यापन कराया गया।

सत्यापन के बाद बिछाया जाल

एसीबी के अनुसार, 11 अक्टूबर को शिकायत का सत्यापन कराया गया। इस दौरान सीजेएम न्यायालय के रीडर संदीप कुमार नानावटी और राहुल चंदेल के माध्यम से 40 हजार रुपए की रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। शिकायत में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने खर्च-पानी के नाम पर परिवारी से पहले ही दो हजार रुपए ले लिए थे। इसके बाद सोमवार को उदयपुर रेंज के पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के सुपरविजन और वांसवाड़ा इकाई के डीएसपी रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में ट्रेप कार्रवाई की गई। एसीबी टीम ने जाल बिछाकर राहुल चंदेल को रीडर संदीप कुमार नानावटी के लिए परिवारी से 40 हजार रुपए लेते हुए पकड़ लिया। इसके बाद कथित साजिश और मामले में भूमिका के आधार पर संदीप कुमार नानावटी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव और महानिरीक्षक एस. परिमला के निर्देशन में दोनों आरोपियों से पृष्ठताछ की जा रही है। ब्यूरो की टीमों ने आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई भी शुरू की है। एसीबी मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और रिश्वत की रकम के लेन-देन के संबंध में जांच कर रही है।



डोमिनोज के बाहर खड़ी बाइक चोरी, सूरजपोल थाने में मामला दर्ज

उदयपुर। सेक्टर-11 स्थित पारस प्राइम के पास डोमिनोज में शिफ्ट मैनेजर के रूप में कार्यरत मेघराज मीणा की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। मेघराज मीणा ने सूरजपोल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 8 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 4:30 बजे उनकी मोटरसाइकिल निर्धारित स्थान पर खड़ी थी, लेकिन बाद में वहां नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले का अनुसंधान हेड कांस्टेबल गणेशलाल कर रहे हैं।

गोगुंदा क्षेत्र में अवैध खनन

और परिवहन का मामला दर्ज

उदयपुर। गोगुंदा थाना पुलिस ने बिना अनुमति खनन और खनिजों के परिवहन के मामले में प्रकरण दर्ज किया है। रिपोर्ट के अनुसार, खनन कार्यदशक दीपक सरपोटा की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई। मामले में नारायणलाल पालीवाल निवासी बड़ी जोशियां की भागल, जसवंतगढ़, गोगुंदा सहित दो अन्य व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रकरण का अनुसंधान हेड कांस्टेबल सुनील कुमार कर रहे हैं।

दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज, एससी-एसटी एक्ट भी लगाया

उदयपुर। सबीना थाना क्षेत्र में एक महिला की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, परिवारिया की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं और एससी-एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक महेश कुमार गुर्जर कर रहे हैं।

तितरड़ी में घर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

उदयपुर। तितरड़ी क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। इंद्रा आईवीएफ के पास कुम्हारों का भट्टा क्षेत्र में किराए से रहने वाले निरंजन कुमार मेघवाल ने पुलिस को बताया कि 8 सितंबर 2026 की रात उनकी मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गया। शिकायत पर सबीना थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण का अनुसंधान हेड कांस्टेबल समुद्र सिंह कर रहे हैं।

गुड़ली से युवती को भगाकर ले जाने की शिकायत

उदयपुर। कुराबड़ थाना क्षेत्र के गुड़ली गांव में एक युवती को भगाकर ले जाने का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, परिवारिया ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति उसकी पुत्री को अपने साथ ले गया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण का अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक बाबूलाल कर रहे हैं।

भींडर में युवती लापता, पुलिस ने दर्ज किया मामला

उदयपुर। भींडर थाना क्षेत्र के नीमड़ी, चारगदिया में युवती के लापता होने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, युवती घर से सहेलियों के साथ बैठने के लिए निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक हिम्मत सिंह कर रहे हैं।

बिछड़ी में घर में घुसकर मारपीट, छह लोगों के खिलाफ मामला

उदयपुर, 12 अक्टूबर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र के बिछड़ी गांव में घर में घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। परिवारी पुरालाल डांगी निवासी बिछड़ी, तहसील गिर्वा ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने एकराय होकर उनके घर में प्रवेश किया और मारपीट की। पुलिस ने दोलतराम डांगी, सुरेश डांगी, प्रकाश डांगी, दीपलाल डांगी, अनिल डांगी और लीला डांगी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रकरण का अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक अमर सिंह कर रहे हैं।

नयागांव में पिकअप की टक्कर से बाइक चालक की मौत, पीछे बैठा युवक गंभीर



24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा। खेरवाड़ा क्षेत्र के नयागांव कस्बे में सोमवार सुबह ब्राह्मण बस्ती के पास तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक चालक उमेश डामोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, नयागांव के निचला फला निवासी उमेश डामोर पुत्र प्रभुलाल डामोर सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे बाइक से जा रहे थे।

इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उमेश की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से मृतक और घायल को खेरवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर थानाधिकारी मनमथ आढ़ा के निर्देशन में पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद फरार पिकअप चालक की तलाश को लेकर पुलिस कार्रवाई कर रही है। पहले भी हो चुका है जानलेवा हादसा ब्राह्मण बस्ती के पास जिस स्थान पर यह दुर्घटना हुई, वहां पहले भी बस की टक्कर से एक वृद्ध ब्राह्मण की मौत हो चुकी है। एक ही जगह बार-बार हो रहे हादसों ने सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों के लिए यह स्थान दुर्घटना की आशंका वाला बिंदु बनता जा रहा है।

नौकरी का झांसा देकर 3.50 लाख ठगे, आठ महीने से फरार आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डूंगरपुर में एलडीसी और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर की नौकरी दिलाने के नाम पर 3.50 लाख रुपए की ठगी के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने आठ महीने से फरार आरोपी

को गिरफ्तार किया है। आरोपी अरविंद वडेरा निवासी लोहारिया, वांसवाड़ा से पृष्ठताछ की जा रही है। थानाधिकारी हिमांशु सिंह के अनुसार, ब्रह्मस्थली कॉलोनी निवासी मेघा सोनी ने 26 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि रोहिड़ा निवासी अरविंद वडेरा ने नौकरी लगवाने का भरोसा देकर उनसे 3.50 लाख रुपए लिए थे। उसने पिछले साल दीपावली या दिसंबर तक नियुक्ति आदेश दिलाने का वादा किया, लेकिन नौकरी नहीं लगवाई। पैसे वापस मांगने पर भी वह टालता रहा। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार था। पुलिस ने अब उसे गिरफ्तार कर लिया है।

फर्जी अफसरों का खौफ दिखा बुजुर्ग दंपती से 2 करोड़ की ठगी, 20 दिन तक डिजिटल अरेस्ट, बंगाल से आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 12 अक्टूबर। पुलिस, एटीएस, एनआईए और आरबीआई का अधिकारी बनकर जयपुर के एक बुजुर्ग दंपती को करीब 20 दिन तक वीडियो कॉल पर 'डिजिटल अरेस्ट' रखने और 2 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी के मामले में सेंट्रल साइबर क्राइम पुलिस ने पश्चिम बंगाल के 24 परगना निवासी ललित विश्वास को गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं। आरोपियों ने दंपती को आतंकवादी गतिविधियों

के लिए धन मुहैया कराने और संदिग्ध बैंक लेन-देन में शामिल होने का आरोप लगाकर गिरफ्तारी का भय दिखाया। इसके बाद व्हाट्सएप पर फर्जी सरकारी दस्तावेज और बैंकिंग प्रमाण-पत्र भेजकर लगातार वीडियो कॉल पर रहने का दबाव बनाया और अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर करवा ली। जांच में सामने आया कि ललित विश्वास के उपलब्ध कराए एचडीएफसी बैंक खाते में 2 सितंबर को 7 लाख रुपए जमा हुए थे। इसके बदले उसे 70 हजार रुपए कमीशन मिलने का आरोप है। पुलिस ने कॉल डिटेल, व्हाट्सएप चैट, बैंक स्टेटमेंट और केवाईसी दस्तावेजों के आधार पर आरोपी की भूमिका का पता लगाया। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई की गई। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विजय कुमार सिंह ने बताया कि साइबर ठगी के नेटवर्क और रकम के लेन-देन की जांच जारी है। उप महानिरीक्षक शान्तनु कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक एवं थानाधिकारी गजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व वाली टीम में पुलिस निरीक्षक राधेश्याम तथा कांस्टेबल कृष्ण कुमार और लक्ष्मण कुमार शामिल रहे।

आबकारी राजस्व से लेकर अवैध शराब पर कार्रवाई तक की समीक्षा करेंगे आयुक्त नमित मेहता



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। पंचायती राज चुनावों की आचार संहिता के बीच अवैध शराब के निर्माण और परिवहन पर शिकंजा कसने के साथ आबकारी विभाग राजस्व वसूली और मदिरा उठाव की भी समीक्षा करेगा। आबकारी आयुक्त नमित मेहता 15 अक्टूबर को शाम 5 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विभागीय अधिकारियों की बैठक लेंगे। इसमें आबकारी राजस्व, मदिरा उठाव, आबकारी बंदोबस्त, निरोधात्मक गतिविधियों और बकाया वसूली की प्रगति पर चर्चा होगी। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन प्रदीप सिंह सांगावत के अनुसार, बैठक में सभी जोन के

अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, आबकारी निरोधक दलों के उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, सहायक आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक और प्रहराधिकारी संबंधित क्षेत्रों के वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्षों से शामिल होंगे। अवैध शराब पर कार्रवाई, 3000 लीटर वॉश नष्ट चुनावी आचार संहिता के दौरान अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर रोक लगाने के लिए प्रदेशभर में नाकाबंदी, गश्त और दबिश की कार्रवाई की जा रही है। आबकारी विभाग की अलग-अलग टीमों ने अलवर, डीग और सुजानगढ़ में कार्रवाई करते हुए अवैध शराब ज्वत की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अलवर में देशी-अंग्रेजी शराब और वीयर का अवैध परिवहन करते हुए एक वोलेरो ज्वत की तथा चालक को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। भरतपुर जिले के डीग में आबकारी निरोधक दल ने दबिश देकर अवैध हथकड़ शराब बनाने के लिए तैयार करीब 3000 लीटर वॉश नष्ट किया। शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण ज्वत किए गए और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सुजानगढ़ में नाकाबंदी के दौरान शेवरले वीट कार से देशी शराब के 384 पन्वे बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

अजमेर में 3 करोड़ की डकैती: स्कॉर्पियो ड्राइवर गिरफ्तार, 1.40 करोड़ के जेवर बरामद



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अजमेर के नसीराबाद में कारोबारी के घर इनकम टैक्स अधिकारी बनकर करीब 3 करोड़ रुपए की डकैती के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी किशन सिंह जाट (32) भरतपुर जिले के कलसाड़ा गांव का निवासी है और अजमेर के माखुपुरा में रह रहा था। पुलिस ने उसके

कब्जे से वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो भी बरामद की है। मामले में अब तक सात आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस के अनुसार, 9 अक्टूबर को नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र की महेश विहार कॉलोनी, दिलवाड़ा बाइपास पर ट्रांसपोर्ट और मोटर पार्ट्स कारोबारी अनिल माहेश्वरी के घर वारदात हुई थी। आरोपी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर पहुंचे और करीब 12-13 मिनट में

क्रेन ने बुजुर्ग को कुचला, मौत के बाद 30 सेकेंड तक शव देखता रहा ड्राइवर; फिर भागा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। बड़गांव थाना क्षेत्र के बड़ी गांव स्थित मोया चौराहे पर सोमवार दोपहर क्रेन की टक्कर से 75 वर्षीय अंबालाल माली की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क पर पैदल जा रहे बुजुर्ग को क्रेन ने पीछे से टक्कर मारी, जिससे वे पहियों के नीचे आ गए। हादसे के बाद सामने आए सीसीटीवी फुटेज में ड्राइवर क्रेन से उतरकर करीब 30 सेकेंड तक बुजुर्ग को टायर के नीचे पड़ा देखता रहा

और फिर दौड़कर गली से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर आक्रोश जताया। बड़गांव थानाधिकारी हितेश यादव के अनुसार, पुलिस ने क्रेन ज्वत कर ली है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। अंबालाल का शव एमबी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कनॉट प्लेस में प्रदर्शनकारियों को लाठियों से धमकाने का आरोप, मीडिया ने पहले ही दी थी पुलिस को सूचना; वीडियो ने खड़े किए सवाल



24 ન્યૂઝ અપડેટ

उदयपुर, 12 अक्टूबर। दिल्ली के कर्नाट प्लेस में 11 अक्टूबर को काँकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान लाठियां लेकर पहुंचे कुछ युवकों

का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, घटनास्थल के वीडियो में एक युवक कार से लाठियों निकालकर प्रदर्शनकारियों की ओर बढ़ता और बाद में एक युवती को लाठी दिखाकर डराता नजर आता है। दावा है कि मीडियाकर्मियों ने पुलिस को पहले ही कार में लाठियां होने की सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने वाहन को जाने दिया। बाद में दिल्ली पुलिस ने एक्स पर कहा कि वाहन की जांच में कुछ भी गैरकानूनी या आपत्तिजनक नहीं मिला। वीडियो में दिख रहे घटनाक्रम ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कार के आसपास 10 से 15 युवक मौजूद थे। प्रदर्शनकारियों और युवकों के बीच बहस हुई, जिसके बाद कुछ युवक दुकानों की ओर चले गए।

दूसरे वीडियो में सफेद शर्ट पहना एक युवक लाठी दिखाकर प्रदर्शनकारियों को डराता दिखाई देता है। एक अन्य वीडियो में मीडियाकर्मी पुलिस को कार में डंडे होने की जानकारी देते सुनाई देते हैं, लेकिन कार को रास्ता देकर निकलने दिया जाता है। वीडियो में कार का नंबर UP 14 HA 4945 दिखाई देने का दावा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाहन गाजियाबाद आरटीओ में 21 जनवरी 2026 को पंजीकृत हुआ था। कार पर नई दिल्ली वाह एसोसिएशन और पटियाला हाउस कोर्ट के स्टिकर भी लगे बताए गए हैं। हालांकि, वीडियो और वाहन संबंधी दावों के आधार पर युवकों की पहचान या किसी की भूमिका को स्वतंत्र रूप से प्रमाणित नहीं माना जा सकता।

दशहरा शोभायात्रा में दिखेगी धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता, 10 से 12 झांकियां बनेंगी आकर्षण; दिल्ली से आएंगे बाहुबली हनुमान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर।
दशहरा पर्व पर उदयपुर
में होने वाला आयोजन इस
बार भक्ति, भव्यता और
सामाजिक सहभागिता के नए
रंगों के साथ नजर आएगा।
श्री विलौचिस्तान पंचायत एवं
श्री सनातन धर्म सेवा समिति
की ओर से 20 अक्टूबर को
चेतक स्थित गांधी ग्राउंड में
दशहरा महोत्सव आयोजित
किया जाएगा। महोत्सव
की शोभायात्रा में शहर के
विभिन्न समाजों और समुदायों
की ओर से तैयार की जा रही
10 से 12 आकर्षक झांकियां
शामिल होंगी। धार्मिक और

सांस्कृतिक विविधता को दर्शाने वाली इन झांकियों के बीच नई दिल्ली से आने वाले बाहुबली हनुमान विशेष आकर्षण रहेंगे। पंचायत उपाध्यक्ष मनोज कटारिया ने बताया कि शोभायात्रा में झांकियों की भागीदारी को लेकर विभिन्न समाजों में उत्साह है। झांकियों के माध्यम से समाज अपनी परंपराओं, धार्मिक आस्था और रचनात्मकता को प्रदर्शित करेंगे। इनमें से श्रेष्ठ तीन झांकियों का चयन कर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। आयोजन में पुरस्कार की व्यवस्था का उद्देश्य विभिन्न समाजों को सक्रिय भागीदारी के

लिए प्रोत्साहित करना है। बाहुबली हनुमान के साथ दिखेंगे नए आकर्षण पंचायत महासचिव विजय आहुजा के अनुसार, इस वर्ष शोभायात्रा में नई दिल्ली से विशेष रूप से बाहुबली हनुमान को शामिल किया जा रहा है। आयोजन में यह प्रमुख आकर्षण रहेंगे। इसके अलावा कुछ नए कार्यक्रम और प्रस्तुतियां भी जोड़ी जा रही हैं, जिनका खुलासा आयोजन के दौरान किया जाएगा। आयोजकों का प्रयास है कि शोभायात्रा में पारंपरिक धार्मिक स्वरूप के साथ कुछ नए आकर्षण भी देखने को मिलें। समिति के नरेंद्र व्थरिया ने बताया कि आयोजन को केवल भव्यता तक सीमित रखने के बजाय भक्ति, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामाजिक एकता का साझा मंच बनाने की तैयारी है। विभिन्न समाजों की सहभागिता से दशहरा पर्व की सामूहिक भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

मथुरा के शाकिर की टीम बना रही रावण परिवार समिति के हेमंत खखेजा ने बताया कि रावण परिवार के पुतले तैयार करने के लिए मथुरा से शाकिर भाई अपनी टीम के साथ आए हैं। वहीं, रावण परिवार को आकर्षक रूप देने के लिए उदयपुर के पेंटर जसवंत नाथ और उनके साथी हर्बल रंगों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह पुतलों के निर्माण में बाहर से आई टीम के साथ स्थानीय कलाकार भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। समिति के मनीष डेम्बला ने शहरवासियों से परिवार सहित शोभायात्रा में शामिल होने और भगवान श्रीराम की विजय के प्रतीक दशहरा पर्व को उत्साह के साथ मनाने की अपील की है। आयोजकों के अनुसार, विभिन्न समाजों की झांकियां, बाहुबली हनुमान और रावण परिवार की तैयारियां इस बार के दशहरा महोत्सव को खास बनाने की दिशा में प्रमुख आकर्षण रहेंगी।

वी-मार्ट के बाहर चबूतरे पर चला बुलडोजर, सड़क हुई चौड़ी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। सड़क
सूरजपोल चौराहे के आसपास ध्वस्त
यातायात में बाधा बन रहे किया
अतिक्रमण पर नगर निगम बढ़ती

ने सोमवार को कार्रवाई की। जेसीबी की मदद से सड़क पर बने चबूतरे को ध्वस्त कर रास्ते को समतल किया गया। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही और व्यस्त

सफाई कर्मचारी भर्ती: आवेदन की तारीख 28 अक्टूबर तक बढ़ी, 24,752 पदों पर मौका

24 ન્યૂઝ અપડેટ

उदयपुर, 12 अक्टूबर। राजस्थान में संविदा सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए आवेदन करने से चूँके अभ्यर्थियों को राज्य सरकार ने एक और अवसर दिया है। स्वायत्त शासन विभाग ने आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 28 अक्टूबर कर दी है। शासन सचिव रवि जैन ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। भर्ती के तहत प्रदेश की 183 नगरीय निकायों में कुल 24,752 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। विभाग ने राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट्यूअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स, 2022 के तहत 27 जुलाई को भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके बाद 15 अगस्त से 28 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। बाद में आवेदन की समय सीमा बढ़ाकर 13 अक्टूबर की गई थी। अब अभ्यर्थियों की मांग और अन्य कारणों को ध्यान में रखते हुए विभाग ने एक बार फिर तारीख में संशोधन किया है। इस भर्ती में नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं के पद शामिल हैं। नई समय सीमा के अनुसार पात्र अभ्यर्थी अब 28 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

**मां की भक्ति और तप से दूर होता
है अहंकार, मानव सेवा ही सच्ची
साधना: प्रशांत अग्रवाल**



24 ન્યૂઝ અપડેટ



परोपकार का संदेश दिया गया। वध और मणिद्वीप में आदिशक्ति। मां शाकंभरी के प्रसंग से जब लोगों की सहायता करने की तप और दृढ़ संकल्प के मां दिया गया। संस्थान के अध्यक्ष भक्ति पूजा-पाठ तक सीमित नहीं थी निहित है। दिव्यांगजनों में आत्मनिर्भरता के अवसर उप महत्त्वपूर्ण स्वरूप है। कथा

रायाण सेवा संस्थान के सेवातीर्थ में प्रत वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी ने सम्द देवी भागवत कथा के दूसरे नाम मां भुवनेश्वरी, मां शाकम्भरी, मां चाम्पारणी और मां पार्वती के प्रसंगों का माध्यम से भक्ति, तप, करुणा और दयित्व में भागवान हर्यग्रीव, मुकुन्ददेव की दिव्य स्वरूप का वर्णन किया-
समेतों को भोजन और संकटग्रस्त रागरा दी गई, वहीं मां पार्वती के सम से अहंकार त्यागने का संदेश प्रेषांत अप्रवाल ने कहा कि सर्वत्र बलिष्ठ, बलिक दूसरों के दुख दूर करने के उपाचार, कुर्विम अंग, शिक्षा और ध्य करना भी मानव सेवा का है। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

अरिहंत युवा मंच की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। धर्म, संस्कार, युवा नेतृत्व और पारिवारिक एकता के संकल्प के साथ अरिहंत युवा मंच संस्थान, सेक्टर-11 उदयपुर की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं पारिवारिक मिलन समारोह चैरवा स्थित गोल्डनेस्ट रूबीविल हेरिटेज रिसोर्ट में आयोजित हुआ। महावीर दिग्गवर जैन चैरिटैबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन मुख्य अतिथि रहे। योगेश अखावत ने अध्यक्षता की, जबकि अशोक सिंघवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में नवीन अध्यक्ष डॉ. निलेश जैन सहित सभी पदाधिकारियों ने संस्था के उद्देश्यों के प्रति निष्ठा और सामाजिक सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने की शपथ ली। शुरुआत विकास भोपावत की सुस्ती चाहत जैन के मंगलाचरण से हुई। कार्यकारी अध्यक्ष

राजकुमार भोरावत ने स्वागत उद्बोधन में संस्थान के उद्देश्यों और गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि कार्यकारी कोषाध्यक्ष मुकेश मेहता ने वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया। इसके बाद विद्यार्थ क ताराचंद जैन ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष डॉ. निलेश जैन, उपाध्यक्ष यश बोहरा, सचिव प्रशम गंगावत, सह सचिव प्रतीक भोरावत, कोषाध्यक्ष विशाल कौडिया, सांस्कृतिक मंत्री दीपक सलावत, संगठन मंत्री अभिषेक सिंघवी, सह संगठन मंत्री भोपावत और प्रचार-प्रसार मंत्री मुकुल डेलावत शामिल हैं। कार्यकारिणी सदस्यों में अमन सिंघवी, रथ ठाकुरडिया, केतन गंगावत, जतिन गंगावत, रमेश बा, मोहित टिभरबा, निखिल भोरावत, सिद्धेश श और निचेचल मेहता को शामिल किया गया। अंकित ने एंकरिंग और गेम्स जॉकी शैली से श्यों व परिवारजनों को मनोरंजक गतिविधियों से रखा। डॉ. निलेश शास्त्री, पंडित दीपक शास्त्री, सुशील चाहत जैन ने जिनेंद्र भक्ति की प्रस्तुतियों कार्यक्रम अध्यक्ष योगेश अखावत, मुख्य अतिथि अंद जैन, विशिष्ट अतिथि अशोक सिंघवी तथा न की कार्यकारी और नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन हेमंत पंचोली ने किया। में सचिव प्रशम गंगावत ने अतिथियों, वरिष्ठजनों, और आयोजन में सहयोग देने वाले सभी यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सच्ची शांति बाहरी सुखों में नहीं, आत्मा की
निर्मलता में है : मुनि अरहसागर महाराज



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 अक्टूबर। जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियाँ आएँ या अनुकूलता मिले, मन की स्थिरता और समभाव बनाए रखना ही आत्मशांति का मार्ग है। सांसारिक आकर्षणों के बजाय आत्मकल्याण को प्राथमिकता देने की प्रेरणा साधु-संतों के संयमित जीवन से मिलती है। यह संदेश मुनि श्री अरहसागर महाराज ने अशोक नगर स्थित उदासीन आश्रम के श्री पाशर्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास के दौरान 16 कारण भावनाओं की श्रृंखला के आठवें भाव 'साधु-समाधि भावना' पर प्रवचन देते हुए दिया। मुनिश्री अरहसागर महाराज एवं मुनि श्री सुहित सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम का आरंभ भगवान के अभिषेक और शांतिधारा से हुआ। श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्वलित किया। मुनिश्री के पाद-प्रक्षालन और श्रीफल अर्पित कर भक्तों ने मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर में आहारचर्या भी संपन्न हुई।

चातुर्मास समिति अध्यक्ष महेंद्र टाय्या ने बताया कि साधु-समाधि भावना का मूल संदेश साधु-संतों के संयम, तप, स्वाध्याय और आत्मसाधना से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को भी अनुशासित बनाना है। जैन दर्शन में इस भावना के माध्यम से श्रद्धालु साधु-संतों के प्रति आदर व्यक्त करने के साथ उनसे गुणों को आत्मसात करके का संकल्प लेते हैं। क्षमा, त्याग, संयम और समता को जीवन में स्थान देकर व्यक्ति राग-द्वेष से ऊपर उठने का प्रयास कर सकता है। पंडित भुवनेश शास्त्री ने बताया कि दिनभर में श्रद्धालुओं का आगमन रहा। भक्तों ने मुनिश्री रामधाम श्रीफल अर्पित कर धर्मसभा में भाग देना शुरू किया। शाम 6.30 बजे गुरु भक्ति के बाद लाला जी पर प्रवचन और आरती का आयोजन हुआ। अवसर पर धर्म प्रभावना समिति अध्यक्ष कुंकुम जैन, चातुर्मास समिति अध्यक्ष महेंद्र टाय्या, वैद, प्रकाश अखावत, राजेंद्र अखावत, शशिकांत कैलाश गंगवाल, सुमत प्रकाश बालावत, प्रमोद टाय्या, नरेंद्र टाय्या, जगदीश जैन, जिनेंद्र गंगावत, मेडिस्टोरेड, अनिल मोदी, मयंक मोदी, शरण मानोहरलाल गंगवाल, दिनेश सोनी, दिनेश सोन, अनिल मेहता, पारस शाह, राजेश गंगवाल, प्रणीत, मानमल गंगावत और मनोज कमावत अनेक श्रावक उपस्थित रहे। अर्चना मोदी, लाला मोदी, ज्योति अखावत, सर्वेश जैन, निर्मला गंगवाल, मंजू गंगावत, मंजू शाह, संगीता दवारा, लाला गंगावत, सरोज बोहरा, केशर बाई और लाला सहित अनेक श्राविकाओं ने भी धर्मसभा में लिया।

डांडियों की खनक और मां दुर्गा के जयकारों से गूंजा औदित्य समाज का गरबा महोत्सव



24 ન્યૂઝ અપડેટ

उदयपुर, 12 अक्टूबर। पुरोहितों की मादड़ी स्थित दुदाजी का देवरा मंदिर प्रांगण में श्री लक्ष्मीनारायण युवा परिषद एवं परशुराम गरबा मंडल की ओर से आयोजित नौ दिवसीय नवरात्रि महोत्सव में औदित्य समाज के लोग भक्ति और उल्लास के साथ गरबा कर रहे हैं। पारंपरिक वेशभूषा में सजे महिला-पुरुषों और युवाओं ने डांडियों की खनक के बीच दर रात तक गरबा नृत्य किया। मंदिर परिसर में मां दुर्गा के जयकारों के साथ धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का माहौल बना हुआ है। परिषद के संस्थापक हीरालाल गोकलावत और महामंत्री जयमेश डूंगावत ने बताया कि नवरात्रि के प्रथम दिन माताजी की महाआरती परिषद अध्यक्ष जितेन्द्र गोन्दावत, खुशबू गोन्दावत, पार्थ गोन्दावत और दक्ष गोन्दावत के परिवार की ओर से की गई। नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना और विशेष भोग अर्पित किए जाएंगे। परशुराम गरबा मंडल के भोपाजी गणेशलाल

ना ने बताया कि महोत्सव में प्रतिदिन पूजा, गरबा नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। सांस्कृतिक मंत्री हितेश व्यास के अनुसार, प्रतिदिन अलग-अलग थीम पर गरबा आयोजित जा रहा है। महिलाओं और युवाओं के लिए अलग-अलग परिधान प्रतियोगिता के साथ बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, महिला दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं भी रखी गई हैं। कार्यक्रम में संस्थापक हीरालाल गोकलावत, पूर्व मुख्यमंत्री वंशीलाल पतावत, नारायण हीरावत, भोपाजी लाल इंडाणा, छगनलाल इंडाणा, दिलीप पतावत, पूर्व कोषाध्यक्ष डालचंद बेरीवाला, कोषाध्यक्ष लाललाल पतावत, हरीश फरावत, कैलाश इंडाणा, अशोक व्यास, धर्मेन्द्र गोन्दावत, भूपेश इंडाणा, जमनेश पतावत, प्रकाश हीरावत, जितेन्द्र गोन्दावत, हिमेश पतावत, वल्लभ, हार्दिक हीरावत, सौरभ पतावत, अशोक इंडाणा, अनीश इंडाणा, सिद्धार्थ इंडाणा, अशोक इंडाणा, रुद्राक्ष गोन्दावत, दिव्यांश पतावत, अशोक गोन्दावत और पार्थ गोन्दावत मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंडल की ओर से कंता वाई इंडाणा, आशा व्यास, सुमित्रा हीरावत, सुमित्रा इंडाणा, मोनिका पतावत, ललिता इंडाणा, दिव्या इंडाणा, सुखश्री पतावत, पिंकी पतावत, सावित्री पतावत, मीना पतावत, वल्लभ, लाली गोकलावत, प्रियंका फरावत, अशोक गोन्दावत, निर्मला गोन्दावत, कोमल जीवावत, अशोक गोकलावत, कन्वी गोन्दावत, रुद्र जीवावत, अशोक गोन्दावत, भव्यांश हीरावत, जान्हवी पतावत, प्रिया हीरावत और रवीना जावद सहित कुल 150 से अधिक लोग शामिल हुए।